अनहद

उत्तराखण्ड शासन

अंक - 02 | त्रैमासिक ई-पत्रिका | मई – जुलाई 2023

राजकीय महाविद्यालय गदरपुर (ऊ.सिं. नगर , उत्तराखण्ड)

Website : gdcgadarpur.in
E-mail: gdcgadarpur@gmail.com

संपादक मंडल

संपादक :

सुश्री तनुजा परिहार
अर्थशास्त्र विभाग

सहसंपादक :

1. कु० विदिशा कर - छात्रा
2. शशांत कुमार – छात्र

सदस्य :

1. श्री गौरव जोशी (तकनीकी सहयोगी)
2. श्रीमती नीतू सिंह

सलाहकार :

1. डॉ० अशोक कुमार (एसो० प्रो० समाजशास्त्र)
2. डॉ० अर्चना वर्मा (असि० प्रो० हिंदी)

संरक्षक :

प्रो० शर्मिला सक्सेना
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

"Concentrate all your thoughts upon the work in hand. The sun's rays do not burn until brought to a focus. " — Alexander Graham Bell

क्रमांक	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	शुभकामना संदेश	1 – 2
2	प्राचार्य संदेश	3
3	सम्पादकीय	4
4	झलकियाँ	5 – 7
5	समाचारिका	8
6	मित्रता	9
7	शिक्षक और हम विद्यार्थी	10
8	Women And Education	12
9	विशेष / उपलब्धि / सम्मान	13
10	नशा और युवा वर्ग	14 – 15
11	महाविद्यालय परिवार / महाविद्यालय एक दृष्टि में	16
12	Info Desk	17
13		

"Opportunity is missed by most people because it is dressed in overalls and looks like work."

— Thomas Edison

शुभकामना संदेश

उच्च शिक्षा निदेशालय,उत्तराखण्ड

क्षेत्रीय कार्यालय, दून विश्वविद्यालय परिसर, फैकल्टी लॉज, देहरादून– 248001

संयुक्त निदेशक, उच्च शिक्षा

E-Mail - jdhedehradun@gmail.com

दिनांक: 20.09.2023

संदेश

मुझे यह जानकार अत्यन्त प्रसन्नता है कि राजकीय महाविद्यालय, गदरपुर (उधम सिंह नगर) अपनी त्रैमासिक ई–पत्रिका **'अनहद'** का प्रकाशन करने जा रहा है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि पत्रिका में प्रकाशित लेख पाठकों के लिए उपयोगी एवं ज्ञानवर्द्धक सिद्व होंगे।

मेरी ओर से **'अनहद'** पत्रिका प्रकाशन हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

(डॉ0 आनन्द सिंह उनियाल)

शुभकामना संदेश

राजेश डावर
अध्यक्षः– सिक्स सिग्मा इंस्टीट्यूट
ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस
रूद्रपुर (ऊ.सिं. नगर)

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि राजकीय महाविद्यालय गदरपुर त्रैमासिक पत्रिका "**अनहद**" का प्रकाशन करने जा रहा है।

किसी भी महाविद्यालय की पत्रिका उसके विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को साकार रूप देने का एक सशक्त माध्यम होती है। इससे यह पता चलता है कि आने वाली युवा पीढ़ी अपने भविष्य के प्रति क्या सोच रखती है। मनुष्य की सोच, कल्पनाएँ एवं चिंतन–मनन करने की शक्ति ही उसे बाकी जीवों से पृथक करती है। अतः महाविद्यालय द्वारा दी गई शिक्षा इतनी प्रभावपूर्ण होनी चाहिए कि एक छात्र न सिर्फ अपनी कल्पनाओं को उड़ान दे सके अपितु उन्हें पन्नों पर भी उकेर सके । जब एक छात्र अपनी रचनाओं को पत्रिका में अपने नाम के साथ देखता है तो उसका हर्ष अकल्पनीय होता है।

महाविद्यालय त्रैमासिक पत्रिका "**अनहद**" के सफल प्रकाशन हेतु मै महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को शुभकामना देता हूँ।

राजेश डावर
अध्यक्ष

प्राचार्य का संदेश

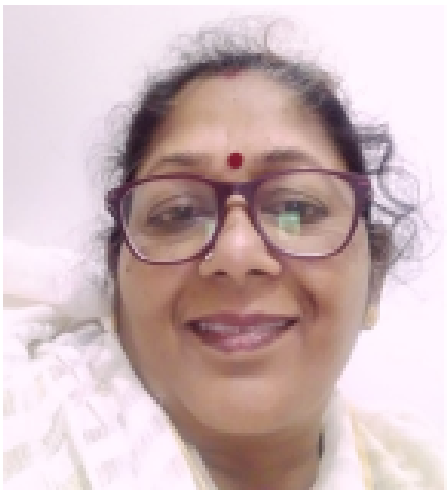

प्रो. शर्मिला सक्सेना
प्राचार्य,
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

महाविद्यालय की त्रैमासिक ई पत्रिका 'अनहद' के द्वितीय अंक का आपके समक्ष आ पहुंचना इस बात का द्योतक है कि संपादक मंडल विद्यार्थियों के सृजनात्मक पहलू को सक्रिय करने में सफल हो रहा है। उत्तरोत्तर अभिव्यक्ति की उनकी यह लालसा और मुखर होगी और अंगुली पकड़ कर उन्हें रचनात्मकता के उस शिखर तक ले जाएगी जहां से सशक्त लेखन का प्रारंभ होता है और जो परम हितकारी होता है। ऐसी आशा के साथ मैं संपूर्ण महाविद्यालय परिवार के लिए शुभता की कामना करती हूँ

संपादकीय

सह संपादक (छात्रा) की लेखनी से.....

'अनहद' का द्वितीय अंक आप सबके समक्ष प्रस्तुत है। इस अंक में हमने "विशेष/उपलब्धि/सम्मान" नाम के स्तंभ को सम्मिलित किया हैं। मैं आदरणीय प्राचार्य मैडम व गुरूजनों का हृदय से अभार व्यक्त करती हूँ कि उन्होंने मुझे 'अनहद' का महत्वपूर्ण अंग बनने का शुभ अवसर प्रदान किया तथा सतत दिशा निर्देशन द्वारा इस उत्तरदायित्व को निर्वहन करने की क्षमता प्रदान की।

सदैव मार्गदर्शन की अभिलाषी

विदिशा कर
बी.ए.तृतीय वर्ष
सह संपादक (छात्रा)

झलकियाँ

योगा दिवस (21 / जून / 2023)

हरेला पर्व के अवसर पर पौधा रोपण कार्यक्रम (19 और 20 / 07 / 2023)

अभिभावक शिक्षक संघ बैठक (26 / 05 / 2023)

आत्म रक्षा के उपाय (प्रशिक्षण कार्यक्रम) (27 / 07 / 2023)

मादक द्रव्य का उपयोग एंव मानसिक स्वास्थ्य' रोकथाम एवं निवारण की आवश्यकता(ऑनलाइन वर्चुअल संगोष्ठी)(22/5/2023)

नशा मुक्ति से संबंधित जन जागरूकता कार्य(म (24/5/2023)

नशा मुक्ति जागरूकता छात्र–छात्राएं मानव श्रृंखला बनाकर स्लोगन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। (24/7/2023)

आपदा से संबंधित सेफ्टी कार्यक्रम (15वीं वाहिनी NDRF गदरपुर) (29/5/2023)

जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।
- अल्बर्ट आइंस्टीन

विश्व पर्यावरण दिवस पौधा रोपण कार्यक्रम (5/6/2023)

स्वच्छता अभियान (18/6/2023)

कारगिल विजय षौर्य दिवस (26/7/2023)

जी–20 में नुक्कड़ नाटक एन्टी करप्शन पर (16/5/2023)

समाचारिका

"Education is the most powerful weapon which you can use to change the world."

Nelson Mandela

Students' Corner

मित्रता

एक छोटा सा गांव हुआ करता था । उस गांव का नाम मणिपुर था। गांव में एक लड़का रहता था जिसका नाम गोलू था। मणिपुर गांव में गोलू का छोटा सा परिवार था। जब गोलू की मम्मी बाबा खेतों में काम करने जाते तो वह अपने साथ गोलू को भी ले जाते थे। गोलू खेतों की मिट्टी से खेलता, कभी मिट्टी को उछालता तो कभी उससे खिलौने बनाता था। समय बीत गया और गोलू समय के साथ बड़ा हो गया। गोलू के माता–पिता ने उसका दाखिला स्कूल में करवा दिया। स्कूल गोलू के गांव से दूर नदी के उस पार था। गोलू स्कूल जाने लगा। हर रोज सुबह को गोलू खेलता कूदता स्कूल जाता एक दिन उसे रास्ते में पडती नदी में एक गोल पत्थर मिला एसी पत्थर के साथ उसका स्कूल आना जाना होने लगा। स्कूल में उसके नए–नए मित्र बन गए। उसके एक मित्र का नाम मोनू था। मोनू स्कूल में गोलू के साथ खेला करता था। और स्कूल की छुट्टी होने के बाद दोनों साथ ही घर लौटते थें। रोज नदी को पार करके आना–जाना होता था। दोनों मित्र पढ़ाई लिखाई में बहुत अच्छे थें जिसके कारण उन्हें शिक्षक शाबाशी देते थे। गोलू और मोनू के कक्षा 12 पास करने के बाद मोनू की पढ़ाई छूट गई जबकि उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए माता–पिता ने गोलू को शहर भेज दिया। गोलू वहां भी अच्छे प्रकार से पढाई करने लगा। एक साल पढ़ाई करने के बाद गोलू एक बहुत बढ़ा आदमी बन जाता है। पढ़ाई पूरी करने के बाद जब गोलू अपने गांव मणिपूर लौटता है और अपने माता–पिता से मिलता है तो वह देखता है कि उसका गांव मणिपुर कितना बदल गया है। तथा बाद में अपने मित्र मोनू से मिलता है और देखता है कि मोनू काफी बड़ा हो गया है। दोनों मित्र एक दूसरे को देख कर गले लग जातें है। दोनों बहुत खुश हो जाते है। गोलू अपने बचपन के स्कूल में जाता हैं। वह उस नदी को भी देखने जाता है जिसे पार करके स्कूल जाया करता था। वह खेतों पर भी गया जहां वह बचपन में मिट्टी को उछालता था तथा खिलौने बनाया करता था। गोलू के पास वह पत्थर आज भी हैं जिस के साथ स्कूल खेलते हुए जाया करता था। गोलू उन सभी चीजों को देखकर अपना बीता हुआ समय याद करता है। अब गोलू का भी मणिपुर गांव में एक बड़ा सा घर है जहां वह अपने माता–पिता के साथ खुशी से रहता है। उसका अपने मिट्टी, अपना गांव, अपने बचपन के मित्र के प्रति जो लगाव बचपन में था वह हमेशा रहा। ऐसे बहुस से गोलू हैं जो आगे जा कर पढाई कर पाते हैं और ऐसे कई मोनू भी हैं जो अभावों के चलतें पीछे छूट जाते हैं, लेकिन उनके बीच की दोस्ती में कोई दूरी नहीं रहती । किसी भी परिस्थिति वश उनके रास्ते अलग हो जाते हैं लेकिन उनकी मित्रता यथावत बनी रहती है।

संजय
BA 1st Sem

"Nothing is impossible. The word itself says 'I'm possible!"
AUDREY HEPBURN

शिक्षक और हम विद्यार्थी

किसी व्यक्ति का जीवन बहुत सें तत्वों से बना होता हैं जिसमें उसके आसपास मौजूद हर चीज उसके अपने आदि शामिल होते हैं। हमारे जीवन में हर एक चीज की जरूरत हर एक चीज का महत्व है। जैसे हमारे माता–पिता, भाई बहन, हमारा घर और भी बहुत कुछ ऐसे ही हमारे जीवन में शिक्षक भी बहुत जरूरी हैं। हमारे शिक्षक हमें जिंदगी जीने का तरीका बताते हैं। वह सीखते हैं कि कैसे हम ज्ञान प्राप्त कर सकतें है। और इस ज्ञान का कैसे सदुपयोग कर सकते हैं विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों का बहुत अहम स्थान माना गया है क्योंकि एक शिक्षक ही होता है जो बच्चों के भविष्य को बनाता है। शिक्षकों के सम्मान में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षक ज्ञान देने का कार्य करते हैं और ज्ञान अनुभव की कमी पूरी करता है। जो लोग पढ़ लिख नहीं पाए उन्हें यह ज्ञान प्राप्त न करने का दर्द अच्छे से समझ आता है। उन्हें ठोकर खाने के बाद ज्ञान मिलता है। इसलिए हमारे जीवन में शिक्षक बहुत जरूरी हैं। उनके दिए ज्ञान से ही हम अपने जीवन में सफलता से आगे बढ़ पाते हैं। गुरू जीवन को सुंदर और सरल बना सकता है। हर व्यक्ति चाहता है कि वह अपनी जिंदगी में कई बडे आयाम छुए, बुंलदी पर चढे और लोग उसका खुब सम्मान करें। ऐसे में यह सपना पूरा करने के लिए व्यक्ति को अच्छे शिक्षक की जरूरत होती है। जो बच्चे को पढ़ा लिखा कर इस काबिल बनाते हैं कि वह अपने जिंदगी के नए आयाम छू सके और अपने सपनों को हकीकत में जी सके। काबिलियत जीवन को सुंदर और सरल बनाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षा के बिना जीवन का क्या लाभ ? मनुष्य का जीवन कठिन हो जाता है अगर उसके पास शिक्षा का अभाव हो। शिक्षा वह मित्र है जो किसी परिस्थिति में साथ नहीं छोडती। मनुष्य अगर शिक्षा को अपना परम मित्र बना लेता है तो उसका जीवन आनंद एवं सुंदर कल्पनाओं से भरा होता है। निम्नलिखित पंक्तियों शिक्षक के महत्व को बताती हैं–

"जहां भी जली शिक्षा की चिंगारी,
नकारात्मकता वहां से हारी
जिस समाज में हो शिक्षित सब नर–नारी,
समृद्धी खुद बने उनकी पुजारी"

यह तो तय है कि शिक्षा प्राप्ति के लिए शिक्षक बेहद आवष्यक है अतः हमें शिक्षकों का आदर व सम्मान करना चाहिए तथा उनके ज्ञान का संदेश हमेशा लेते रहना चाहिए।

बुशरा जहां
BA 2 nd Year

अतिथियों की कलम से

Women And Education

"The content of a book holds the power of education and it is with this power that we can shape our future and change lives." - Malala Yousafzai

I direct this writing mainly towards women/girls, but of course towards men/boys too, as not doing so will not serve its purpose. We as girls or women must question ourselves that in spite of constituting 50% of the total population, how many of us are educated or living a life of honour and respect, the answer to which is 'very less'. We must also reflect over the reasons for it and the consequences of not being educated.

Education, we must realise and know well, is a strong weapon in our hands; a weapon which is capable of protecting us and imparting a good, contented and respectable life not only for us but for our generations to come. An educated mother is an aware woman, who, knowing the significance of education makes sure that her children get educated and lead an honourable life. An educated mother is better equipped to put forth her thoughts and is able to communicate better to the members of her family as well as her employers. She can certainly think logical, talk rational and has a huge share in the progress of her family, community as well as the nation as a whole as the African proverb rightly states, "If you educate a man, you educate an individual. But if you educate a woman, you educate a nation."

A girl's education empowers not only her but also those around her. Girls' education leads to awareness and widens the vision; making them see, understand things and situations in a better way. Their education and awareness also has its strong impact in population control which in turn is capable to address environmental issues. Education makes a girl understand her position and helps her confront and challenge the traditional roles she is expected to, and many a times forced to take up. Education, she must understand, taken up seriously, can change her life not only in terms of financial empowerment but in terms of everything which comes by being aware and a conscious human being.

We, as Indian women realise the condition and plight of a woman or a girl child in our society. We are still lagging behind and are not given what we deserve as human beings and comprising one half of the total population. Women/girls are in an urgent need to understand the importance and implication of education, for without education we are like animals lacking in the strength of mind and character. As Swami Vivekananda says:

"We want the education by which character is formed, strength of mind is increased, the intellect is expanded, and by which one can stand on one's own feet."

Dr. HariPriya Pathak
Department of English
D.S.B campus Nainital

विशेष / उपलब्धि / सम्मान

- प्रधानमंत्री टी.बी. मुक्त अभियान समिति महाविद्यालय गदरपुर द्वारा 02 क्षय रोगी गोद लिए गये हैं।
- महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को तनाव मुक्त रखने के लिए मेंटर्स ग्रुप गठित किए गए।
- अजीम प्रेम जी फाउंडेशन एवं कौशल विकास समिति द्वारा संयुक्त रूप सें छात्र हित में महाविद्यालय में व्यवहारिक अग्रेंजी, व्यक्तित्व विकास एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति हेतु कार्यशालाएं (पाक्षिक) आरंभ हुई।
- विदिशा कर कक्षा – बी.ए.तृतीय वर्श द्वारा कॉचिंग कॉर्स MSDCA ऑनलाइन लेवल–1 प्राप्त किया गया।
- माह अप्रैल 2023 में महाविद्यालय को तंबाकू विभाग, जिला चिकित्सालय रूद्रपुर द्वारा शत **प्रतिषत** तंबाकू मुक्त घोशित किया गया।

नशा और युवा वर्ग

किसी भी देश के युवा उस देश के बुद्धि और विकास के मुख्य आधार होते हैं । अपने देश भारत की बात करें तो एशियन सदी में भारत को एक
बहुत ही बड़ी खुशखबरी पिछले माह अप्रैल में मिली की जनसंख्या के क्षेत्र में हम चीन को पीछे छोड़कर सबसे बड़ा देश बन गए। विश्व जनसंख्या
रिपोर्ट ने बताया है कि देश में वर्किंग एज मेजोरिटी है यानी 68 फ़ीसदी आबादी 15 से 64 वर्ष के सक्रिय आयु वर्ग में है। 50 फ़ीसदी आबादी 25
वर्ष से कम वाली है। जिससे भारत सबसे युवा राष्ट्र बना। देश का भविष्य कैसा होगा यह देश के युवाओं पर ही निर्भर करता है। युवा अगर चाहे
तो कड़ी मेहनत और लगन से खुद के साथ-साथ देश को भी नई बुलंदियों तक ले जा सकते हैं, परंतु यही युवा नशे की लत का शिकार बन जाए
तो अपने साथ-सा परिवार और देश दोनों के विनाश का कारण बन सकते हैं। विश्व का सबसे युवाओं वाला देश होने के कारण आज भारत दुनिया
के उन देशों की नजर में है जहां ड्रग्स का उत्पादन प्रचुर मात्रा में किया जाता है। ड्रग्स उत्पादक देश यह भली भांति जानते हैं कि व्यसन एक प्रकार
का विकार है जो व्यक्ति के जीवन के हर पहलू को प्रभावित करता है, इसके उपयोग से शारीरिक सेहत बिगड़ती है और मानसिक परेशानियां बढ़
जाती हैं इससे परिवार पेशा और सामाजिक जीवन प्रभावित होता है। ऐसा कहा जाने लगा है कि भारत ड्रग्स का एक बड़ा बाजार बनता जा रहा
है। यहां कंज्यूमर है, ड्रग्स की सप्लाई है, और सप्लायर भी जो मादक पदार्थों के तस्करों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है। भारत में पनपता ड्रग्स का
मायाजाल किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व कल्याण मंत्रालय दिल्ली द्वारा कराए गए एक अध्ययन में पाया गया है की मादक
द्रव्यों का सेवन करने वालों की अधिक संख्या में 44 फ़ीसदी युवा हैं। अध्ययन किए गए कुछ द्रव्य सेवकों में से 5.54% 12 से 17 वर्ष के 13.86%
18 से 23 वर्ष के और 30% 24 से 30 आयु वर्ग के 35% 31 से 45 वर्ष के 13.1% 46 से 60 आयु समूह के और 3.5% 60 वर्ष के ऊपर के हैं।
फिर 21.55% अशिक्षित 11.08% साक्षर 14.50% प्राथमिक पास 14.31% मिडिल पास 12.90 माध्यमिक पास 14.73% उच्च माध्यमिक
पास 6.58% स्नातक और 3.95% स्नातकोत्तर पास है। व्यवसाय की दृष्टि से 17.93% छोटे व्यवसाय में लगे हैं 17.25% कृषक 13.15% मजदूरी
करने वाले 11.25% सरकारी नौकरियों में तथा 3.44% कृषक मजदूर रहे। 3.3% रिक्शा व ऑटो रिक्शा चालक 3.44% पेशेवर रहे और
22.84% अन्य किसी व्यवसाय में लगे थे। हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण के अनुसार भारत में लगभग 7.5 करोड़ लोग मादक पदार्थों के
व्यसनी हैं इस संख्या में खौफनाक ढंग से वृद्धि हो रही है पोस्ट ग्रैजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (PGIMIR) के द्वारा किए
गए एक अध्ययन द्वारा यह दावा किया गया है कि 16 वर्ष से 25 वर्ष के आयु वर्ग में मादक पदार्थों के दुरुपयोग में वृद्धि हुई है। नशे के सेवन को
लेकर देखा जाए तो आज की युवा पीढ़ी इसके पीछे पागल होती जा रही है। बहुत लोग नशे को शौक समझकर शुरू करते हैं और बाद में उनहे नशे
की लत लग जाती है कई लोग अपनी मानसिक तनाव व चिंता को दूर करने के लिए नशे का सेवन करते हैं लेकिन यही नशा जो कुछ समय के
लिए दुख और तनाव को दूर करता है वह जिंदगी भर का दुख बन जाता है नशीले पदार्थों के सेवन करने से व्यक्ति स्मृति और संवेदनशीलता को
देता है उसको होश ही नहीं रहता कि वह क्या कर रहा है। क्या बोल रहा है नशे की हालत में व्यक्ति गलत कामों को अंजाम देता है

जिस घर में कोई व्यक्ति नशा करता है तो उसे परिवार के बच्चों पर भी इसका बुरा असर पड़ता है बच्चे भी अनुसरण करके इसी राह पर चलना शुरू कर देते हैं। इस तरह नशे के बढ़ते चलन से परिवार में तनाव , झगड़े शुरू हो जाते हैं और परिवार में बिखराव होने लगता है और परिवार बर्बाद हो जाता है। आज के समय में अधिकतर युवा नशे की ओर झुक रहा है । युवा हमारे देश का उज्जवल भविष्य है वह नशे की बुरी लत में पड़कर

अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं यहां तक कि आज के समय में पुरुष तो पुरुष बहुत सी महिलाएं भी नशे की चपेट में आ रही हैं भारत में नशे का सेवन हवा की तरह फैल रहा है और बहुत से लोगों की जिंदगियां खराब कर रहा है मादक पदार्थों के तस्कर केवल पैसा अर्जित करने के लिए अपने व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति के लिए भारत के युवाओं को बर्बाद करने पर तुले हैं दुख की बात यह है कि पैसे के सामने आज व्यक्ति अपने आदर्शों को भूलता जा रहा है पैसे के लालच में बड़े-बड़े स्टार मादक पदार्थों के प्रचार प्रसार करने को तैयार हो जाते हैं पैसे के लालच में नशीले पदार्थों को बेचने वाले लोग अपनी गलती से बाज नहीं आते। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी ऐसे वीडियो है जिसमें अन्य लोगों को नशीले जो अपने क्षेत्र में प्रसिद्ध है पदार्थों का सेवन करते दिखाया गया है उनको देख आज की युवा पीढ़ी उनका अनुसरण कर रही है। पिछले कुछ दशकों से देश में हीरोइन चरस अफीम कोकेन गांजा शराब आदि की उपलब्धता इतनी बढ़ गई है कि अधिकांश युवा इसके शिकार बनते जा रहे हैं ड्रग्स आज हर वर्ग में घुसपैठ कर चुका है ऐसा कहा जा रहा है कि लगभग 500 अरब डॉलर के आसपास के व्यापार के साथ यह विश्व का तीसरा सबसे बड़ा व्यवसाय है। जिसका स्थान पेट्रोलियम एवं हथियारों के व्यापार के बाद आता है। भारत सरकार द्वारा नशा मुक्ति को लेकर कई प्रकार के अभियान चलाए जा रहे हैं। भारत ने 26 विपक्षीय समझौते 15 समझौता ज्ञापनों और विभिन्न देशों के साथ सुरक्षा सहयोग को लेकरहस्ताक्षर किए हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (NCB) ने अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए सूचना और खुफिया जानकारी साझा करने के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ समन्वय किया है। इनमें सार्क (SAARC), ब्रिक्स (BRICS), एशियन (ASEAN), कोलंबो योजना (Colombo Plan), बिम्सटेक (BIMSTEC), ड्रग्स एंड क्राइम का संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और अंतरराष्ट्रीय नारकोटिक्स कंट्रोल बोर्ड शामिल है भारत सरकार द्वारा नशा मुक्ति को लेकर जो जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं उसका बहुत ज्यादा असर देश की युवा पीढ़ी पर और व्यस्त लोगों पर नहीं पढ़ रहा है। 1991 से प्रत्येक वर्ष 26 जून को मादक पदार्थ तथा अवैध तस्करी के अंतरराष्ट्रीय विरोध दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि मादक पदार्थ के उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ उन लोगों को भी जागरूक किया जा सके जो मादक पदार्थों के विरुद्ध संघर्ष करने में लगे हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 47 पोषाहार स्टार और जीवन स्तर को ऊंचा करने तथा लोग स्वास्थ्य का सुधार करने के राज्य कर्तव्य के विषय में बात करता है राज्य विशिष्टता मादक पेड़ों और हानिकारक औषधीय के औषधीय परिजनों के भिन्न उपयोग का प्रतिशत करने का प्रयास करेगा। मद्यपान से धन अपव्यय और शारीरिक शक्ति का नाश के अतिरिक्त सामाजिक अव्यवस्था और अराजकता का विकास भी होता है राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था शराब सब बुराइयों की जननी है इसकी आदत राष्ट्र को विनाश की कगार पर लाकर खड़ा कर देती है देश की युवा पीढ़ी को किसी भी तरह से नशा से मुक्त करने बहुत ही ज्यादा जरूरी है अन्यथा हमारे देश का भविष्य पूरी तरह से अंधकार में चला जाएगा

डॉ० श्रीहरिप्रसाद
राजनीति विज्ञान विभाग
राजकीय महाविद्यालय गदरपुर

महाविद्यालय परिवार

प्राचार्य : प्रो. शर्मिला सक्सेना

प्राध्यापक वर्ग

समाजशास्त्र विभाग
डॉ० अशोक कुमार (एसो. प्रोफेसर)

हिंदी विभाग
डॉ० अर्चना वर्मा (असि० प्रोफेसर)

शिक्षाशास्त्र विभाग
श्री प्रमोद वर्मा (असि० प्रोफेसर)

राजनीति विज्ञान विभाग
डॉ० श्रीहरि प्रसाद (नि.अ.शिक्षक)

इतिहास विभाग
सुश्री प्रभजोत कौर (नि.अ.शिक्षक)

अर्थशास्त्र विभाग
सुश्री तनुजा परिहार (नि.अ.शिक्षक)

कार्यालय

वरिष्ठ सहायक
श्री हिमांशु जोशी

उपनल कर्मचारी

श्री मदन सिंह – स्वच्छक

श्री हिमांशु तिवारी – चौकीदार

श्री गौरव जोशी – बुक लिफ्टर

श्रीमती नीतू सिंह – प्रयोगशाला परिचर

श्री विजय गिरी – अनुसेवक

श्री मनोज पनेरू – अनुसेवक

If you make your internal life a priority, then everything else you need on the outside will be given to you and it will be extremely clear what the next step is."

— Gabrielle Bernstein

Info. Desk

College Website	https://gdcgadarpur.in
College Facebook ID	https://www.facebook.com/profile.php?id=100087622763715
Kumaun University Website	https://www.kunainital.ac.in
Samarth Portal	https://ukadmission.samarth.ac.in/index.php/site/login
Routes To Roots	https://routes2roots.ngo/register
Skill Development Programme	https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeNwFkNXefyHBV8dqN-EZQfqPLG65G9hvMb_4Ug0K1XayrUWA/viewform
Anti Ragging	https://www.antiragging.in/affidavit_registration_disclaimer.html
Anti Drug	https://pledge.mygov.in/fightagainstdrugabuse/

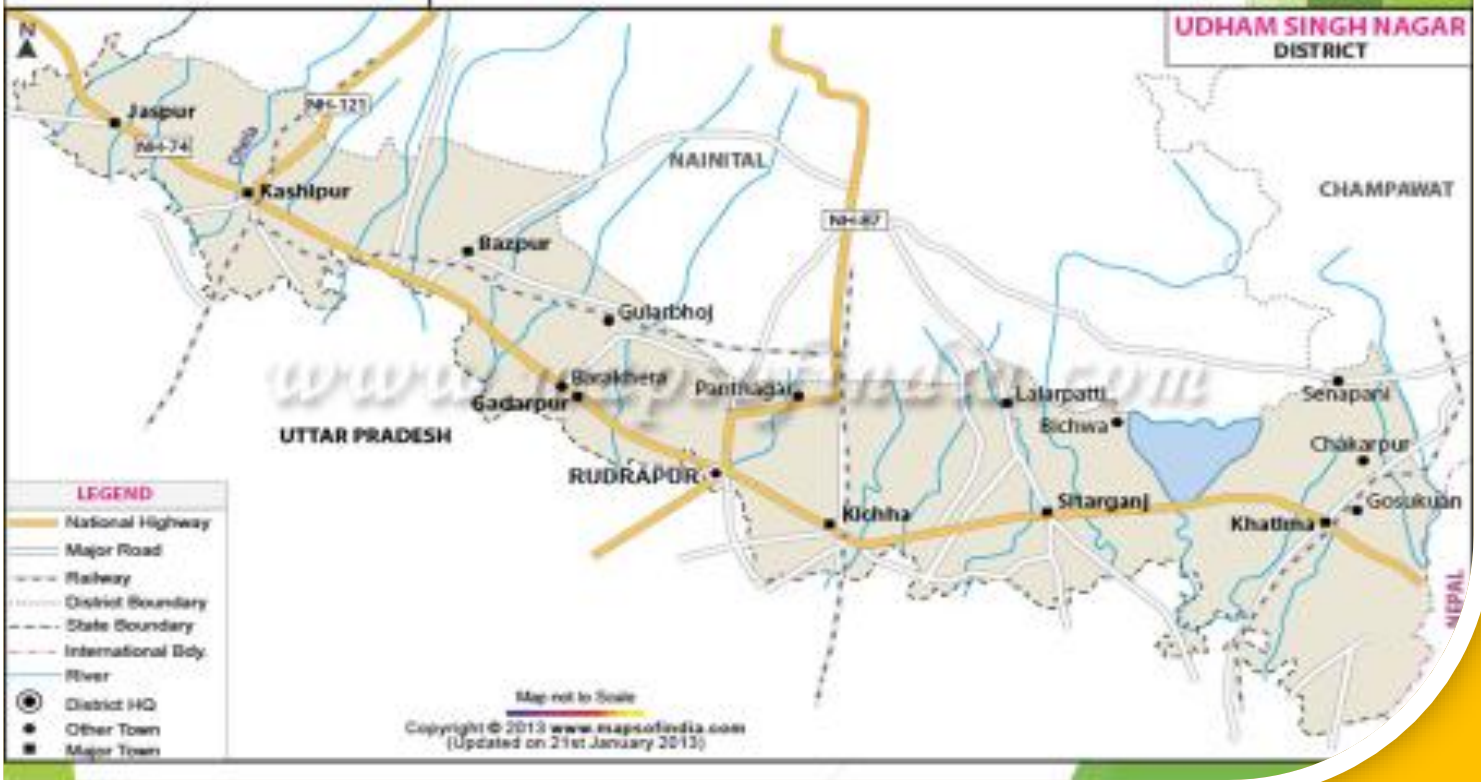

Success is the sum of all efforts, repeated day-in & day out."

- R. Collier